Need to make river Narmada pollution free and ensure its preservation

श्री दर्शन सिंह चौधरी **(**होशंगाबाद**)** : मां नर्मदा मैया की जय ।

जीवन दायनी मां नर्मदा के संरक्षण की अति आवश्यकता है । मां नर्मदा (नर्मदा नदी) मध्य प्रदेश सहित गुजरात की जीवन रेखा है । न केवल धार्मिक व आर्थिक दृष्टि से मां नर्मदा का संरक्षण अति आवश्यक है, बल्कि इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि देश की अधिकतम नदियां फ्रेशवाटर बॉडीज औद्योगिक प्रदूषण अति उपयोग व संरक्षण के अभाव में ह्यूमन कंजप्शन के लिए अनफिट होती जा रही हैं । मां नर्मदा का भी बांधों व हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के निर्माण से मूल स्वरूप बदल रहा है । प्रदूषकों के बिना फिल्ट्रेशन नदी में छोड़े जाते हैं । पानी की गुणवत्ता खराब हो रही है । गैर कानूनी अत्यधिक रेत खनन के कारण गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है ।

महोदय, मां नर्मदा के संरक्षण हेतु मैं जल मंत्रालय से निवेदन करता हूं कि सेंट्रल वाटर कमीशन के संसाधनों का उपयोग नर्मदा के संरक्षण में करने की योजना पर फीजिबिलिटी रिपोर्ट बनाई जाए, जिससे यह पता चले कि करंट स्टेटस ऑफ क्वालिटी ऑफ रिवर वॉटर कितने औद्योगिक क्षेत्र से नर्मदा में डिस्चार्ज किया जा रहे हैं । स्टार्ट आफ ट्रीटमेंट प्लांट फॉर सीवेज और इंडस्ट्री इन्फ्लुएंस उपाय किए जाएं, जिससे नर्मदा का पानी फिट फॉर ह्यूमन कंजंप्शन हो । उसमें लगने वाली राशि व उसे पूर्ण करने में गवर्नमेंट द्वारा प्राइवेट उद्योगों की भूमिका तय की जाए । साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर नर्मदापुरम् में विश्वस्तरीय नर्मदा रिवर फ्रंट का विकास व पर्यटन को बढ़ावा इस कार्य के लिए एक सीरियस परपज का निराकरण करने की मांग है । नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण में डेट बढ़ाकर इन संरक्षण के उपायों का एक इंस्टीट्यूशन मेकैनिज्म बनाया जाए । चूंकि गोस्वामी तुलसीदास जी ने नर्मदा नदी के बारे में कहा है-

सिव प्रिय मेकल सैल सुता सी, सकल सिद्धि सुख संपति रासी॥

सदगुन सुरगन अंब अदिति सी, रघुबर भगति प्रेम परमिति सी॥

यह एकमात्र नदी है, जिसकी परिक्रमा होती है । अत: मां नर्मदालोक और नर्मदा पथ की स्थापना करते हुए इसको जल्द पूर्ण कराया जाए ।

धन्यवाद ।